१. स्वदेश

(क) प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

1. कवि के अनुसार किसके बिना हृदय पत्थर के समान है?

   i. स्वार्थ के
   iii. शक्ति के
   ii. स्वदेश के प्यार के
   iv. धन के

2. कवि ने किसे काल-दीप कहा है?

   i. सूर्य
   iii. देश
   ii. हृदय
   iv. जीवन

3. 'दाना-पानी' शब्द किसकी ओर संकेत करता है?

   i. भोजन और जल
   iii. प्यार और करुणा
   ii. सेवा और त्याग
   iv. जल और हवा

4. "हम हैं जिसके राजा-रानी" – यह पंक्ति किस भावना को दर्शाती है?

   i. गौरव और आत्मविश्वास
   iii. भय और क्रोध
   ii. दुख और निराशा
   iv. भक्ति और त्याग

5. कविता में 'तलवार' और 'तोप' किसका प्रतीक हैं?

   i. व्यापार का
   iii. सैन्य शक्ति का
   ii. कृषि का
   iv. शिक्षा का

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. **जो चल** _____
   _____
   _____
   _____ **नहीं।।**

2. **जिसकी मिट्टी** _____
   _____
   _____
   _____ **रानी।।**

(ग) सही कथनों के सामने 'सही' और गलत के सामने 'गलत' लिखिए:

1. कवि के अनुसार बिना देश-प्रेम के हृदय जीवित नहीं है।
2. स्वदेश को कवि ने माता-पिता से ऊपर बताया है।
3. "हृदय" कविता में एक नारी पात्र है।

4. कविता में मिट्टी, पानी, हवा जैसे प्राकृतिक तत्त्वों की चर्चा है।
5. कवि ने देशभक्ति को धन-संपत्ति से बड़ा बताया है।

(घ) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. कविता में कवि ने 'पत्थर' किसके लिए कहा है और क्यों?

   उत्तर: _____

   _____

2. 'काल-दीप जलता हृदयम्' – इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर: _____

   _____

3. स्वदेश के कौन-कौन से तत्त्वों का उल्लेख कविता में हुआ है?

   उत्तर: _____

   _____

4. कवि ने कौन-सी बात कहकर आत्मगौरव की भावना जगाई है?

   उत्तर: _____

   _____

5. कविता में कवि ने किन प्रतीकों का प्रयोग किया है?

   उत्तर: _____

   _____

(ङ) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. कविता में ‘हृदय’ को ‘पत्थर’ कहने के पीछे कवि की कौन-सी भावना छिपी है? स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

2. इस कविता में देश की मिट्टी, जल, वायु को कैसे महत्व दिया गया है?

   उत्तर: _____

   _____

   _____

_____

3. कवि ने 'स्वदेश' के महत्व को अन्य संबंधों की तुलना में किस प्रकार उच्च बताया है?

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

4. कविता में प्रयुक्त भाषा, शैली एवं तुकबंदी के आधार पर यह कविता पाठकों पर कैसा प्रभाव छोड़ती है?

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

5. 'स्वदेश' कविता में देश के प्रति कवि की भावनाएँ किन शब्दों और भावों के माध्यम से प्रकट हुई हैं? विस्तार से लिखिए।

   उत्तर: _____

   _____

   _____

   _____

(च) व्याकरण और भाषा अभ्यास

1. समानार्थी शब्द भरिए (कविता से):

	शब्द		समानार्थी शब्द				
i.	भू	-	_____	iv.	तलवार	-	_____
ii.	दीप	-	_____	v.	पत्थर	-	_____
iii.	हृदय	-	_____	vi.	दुनिया	-	_____

2. योजक चिह्नों के स्थान पर उपयुक्त शब्द भरिए:

(का / की / के / में)

i. जो चल न सका संसार _____ संग

ii. बहती जिसमें रस-धार _____ नहीं

iii. हैं माता-पिता बंधु _____ जिसमें

iv. हम हैं जिसके राजा_____रानी

v. जिसकी मिट्टी _____ उगे-बढ़े

3. नीचे दिए शब्दों के लिए तुकांत शब्द लिखिए:

i. पानी – _____

ii. लासानी – _____

iii. धार – _____

4. नीचे दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़कर उत्तर दीजिए:

स्वदेश शब्द में बहुत गहराई छिपी है। यह केवल उस भूमि का नाम नहीं है जहाँ हम जन्म लेते हैं, बल्कि वह भावना है जो हमारे मन में अपने देश के प्रति सम्मान, अपनापन और गर्व पैदा करती है। स्वदेश वह धरती है जिसकी मिट्टी में हम पले-बढ़े, जहाँ की हवा में हमने साँस ली और जहाँ के जल से हमारा जीवन पनपा। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने देश से प्रेम करे, उसकी एकता और अखंडता की रक्षा करे। स्वदेश के लिए किए गए त्याग और बलिदान हमें प्रेरणा देते हैं कि हम भी अपने स्तर पर देश की सेवा करें — चाहे वह पढ़ाई हो, सफाई हो, या समाज सेवा। स्वदेश प्रेम केवल तिरंगा फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों को निष्ठा से निभाना भी सच्चा देशभक्ति है। जब हम ईमानदारी से काम करते हैं, पर्यावरण की रक्षा करते हैं, देश की संस्कृति का सम्मान करते हैं — तभी हमारा तिरंगा सचमुच गर्व से लहराता है।

अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न:

i. स्वदेश शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर: _____

ii. एक नागरिक का प्रमुख कर्तव्य क्या है?

उत्तर: _____

iii. हम किन कार्यों के माध्यम से देश की सेवा कर सकते हैं?

उत्तर: _____

iv. सच्चा देशभक्त कौन कहलाता है?

उत्तर: _____

v. तिरंगा झंडा कब गर्व से लहराता है?

उत्तर: _____

Answer

(क) बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर:

1. ii. स्वदेश के प्यार के
2. ii. हृदय
3. i. भोजन और जल
4. i. गौरव और आत्मविश्वास
5. iii. सैन्य शक्ति का

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति:

1. जो चल न सका संसार-संग,
   उसका होता संसार नहीं।
   जिसने साहस को छोड़ दिया,
   वह पहुँच सकेगा पार नहीं।।
2. जिसकी मिट्टी में उगे-बढ़े,
   पाया जिसमें दाना-पानी।
   हैं माता-पिता बंधु जिसमें,
   हम हैं जिसके राजा-रानी।।

(ग) सही-गलत:

1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही

(घ) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. कवि ने 'पत्थर' उस हृदय के लिए कहा है जिसमें स्वदेश प्रेम नहीं है, क्योंकि ऐसा हृदय भावनाहीन होता है।
2. 'काल-दीप जलता हृदयम्' का अर्थ है कि स्वदेश प्रेम हमारे अंतर्मन को उज्ज्वल करता है और जीवन में दिशा देता है।
3. कविता में देश की मिट्टी, भाषा, गंध, पानी, हवा, और संस्कृति का उल्लेख हुआ है।
4. कवि ने "हम हैं जिसके राजा-रानी" कहकर आत्मगौरव की भावना जगाई है।
5. कविता में तलवार, तोप, हृदय, पत्थर आदि प्रतीकों का प्रयोग किया गया है जो भावनाओं को प्रभावशाली बनाते हैं।

(ङ) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. कवि यह कहना चाहता है कि यदि किसी के हृदय में देश के प्रति प्रेम नहीं है तो वह हृदय भावना रहित, कठोर और निर्जीव है — जैसे पत्थर। यह भाव देशप्रेम की अनिवार्यता दर्शाता है।
2. कविता में देश की मिट्टी, हवा और पानी को मां की तरह पूज्य बताया गया है। यह बताया गया है कि इन्हीं तत्वों से हमारा अस्तित्व है, इसलिए उनका सम्मान करना चाहिए।
3. कवि ने माता-पिता, बंधु-बांधव से भी ऊपर स्वदेश को बताया है। उन्होंने देश को सर्वोच्च स्थान दिया है और उसके लिए सब कुछ समर्पित करने की प्रेरणा दी है।
4. कविता की भाषा सरल, प्रभावशाली और भावनाओं से परिपूर्ण है। तुकबंदी सुंदर है जो पाठकों के मन को छू जाती है और उनमें देशभक्ति की भावना जागृत करती है।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

5. ‘स्वदेश’ कविता में कवि की देशभक्ति उनकी पंक्तियों जैसे "जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं" और "हम हैं जिसके राजा-रानी" में प्रकट होती है। प्रतीकों और भावों के माध्यम से कवि ने गहरी भावनाएँ व्यक्त की हैं।

(च) व्याकरण और भाषा अभ्यास:

1. समानार्थी शब्द:

i. भू - धरती / भूमि
ii. दीप - प्रकाश / चिराग
iii. हृदय - मन / दिल
iv. तलवार - शस्त्र / खड्ग
v. पत्थर - शिला / पाषाण
vi. दुनिया - संसार / जगत

2. योजक चिह्न:

i. संसार के संग
ii. रस-धार की
iii. ibंधु की
iv. राजा और रानी
v. मिट्टी में

3. तुकांत शब्द:

i. पानी – रानी
ii. लासानी – दिवानी
iii. धार – प्यार

(4) अपठित गद्यांश आधारित प्रश्न उत्तर:

1. स्वदेश उस भूमि का नाम है जहाँ हम जन्म लेते हैं और जिसके प्रति प्रेम, सम्मान और अपनापन होता है।
2. हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने देश से प्रेम करे और उसकी एकता की रक्षा करे।
3. हम पढ़ाई, सफाई, और समाज सेवा के माध्यम से देश की सेवा कर सकते हैं।
4. जो व्यक्ति अपने कर्तव्यों को निष्ठा से निभाता है वही सच्चा देशभक्त कहलाता है।
5. जब हम ईमानदारी से काम करते हैं, तब तिरंगा गर्व से लहराता है।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com